भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3147

उत्तर देने की तारीख 12 मार्च, 2020

22 फाल्गुन, 1941 (शक)

प्रतिस्पर्धात्मक खेलकूद का विकास

3147. श्री गोपाल शेट्टीः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विभिन्न खेलकूद विषयों के संबंध में देश में प्रतिस्पर्धात्मक खेलकूद के विकास और उन्नयन और खेलकूद प्रतिभा की पहचान हेतु क्या विशेष उपाय किए गए हैं;

(ख) राष्ट्रीय खेलकूद विकास निधि (एनएसडीएफ) जुटाने हेतु कार्ययोजना का कार्यान्वयन करने के लिए किए गए विशेष उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) 'हम होंगे कामयाब' को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में सफल बनाने के लिए प्रभावी नीति और कार्यक्रम क्या है ?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री किरेन रीजीजू)

(क) 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण खेल अवसंरचना के उन्नयन और खेल प्रतिभा की पहचान सहित खेलों के संवर्धन और विकास का उत्तरदायित्व राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों का होता है । तथापि, केंद्रीय सरकार अपनी विभिन्न स्कीमों अर्थात खेलो इंडिया स्कीम और राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता की स्कीम के अंतर्गत तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्रों में प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराकर राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों के प्रयासों की पूर्ति करती है।

इसके अलावा, खेलो इंडिया स्कीम के दो घटक हैं, नामत: ''प्रतिभा पहचान और विकास'' तथा ''वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं''। सरकार प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) के लिए राष्ट्रीय खेल परिसंघों के प्रस्तावों पर विचार करते समय प्रतिभा का पता लगाने और उसके पोषण को प्राथमिकता दे रही है।

(ख) सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कारपोरेट निकायों से राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) के लिए अंशदान जुटाने के लिए इस मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) / सार्वजनिक क्षेत्र बैंक (पीएसबी) तथा प्राइवेट सेक्टर में कॉर्पोरेट निकायों को उनके कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) से एनएसडीएफ में उदारतापूर्वक अंशदान करने के

लिए कहा है। उनसे यह भी आग्रह किया गया है कि वह इनमें से एक विकल्प का चुनाव कर सकते हैं अर्थात टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) में शामिल खिलाड़ियों के प्रशिक्षण का वित्तपोषण करके भारत के ओलंपिक सफर का हिस्सा बन सकते हैं या किसी प्रशिक्षण केंद्र अथवा खेल अकादमी को अपना सकते हैं जिन्हें हमारे भावी ओलंपिक खिलाड़ियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से उन्नत किया जा सकता है या इसके समग्र संवर्धन और विकास के लिए खेल विधा विशेष को अपना सकते हैं।

(ग) ओलंपिक खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों और टीमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सरकार उनके प्रशिक्षण, विदेशों में प्रतियोगिता अनुभव और प्रतियोगिताओं के लिए राष्ट्रीय खेल परिसंघों के माध्यम से खिलाड़ियों की सहायता कर रही है। टीओपीएस के अंतर्गत पदक जीतने की संभावना वाले खिलाड़ियों और उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को कस्टमाइज्ड प्रशिक्षण और संबंधित सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

****